CBSE Class 6 Social Science Important Questions History Chapter 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
वेद कितने हैं?
उत्तर:
वेद चार हैं?

प्रश्न 2.
ऋग्वेद की प्रार्थनाओं को क्या कहा गया है?
उत्तर:
ऋग्वेद की प्रार्थनाओं को सूक्त कहा गया है।

प्रश्न 3.
वैदिक प्रार्थनाओं की रचना किसने की थी?
उत्तर:
वैदिक प्रार्थनाओं की रचना ऋषियों ने की थी। कुछ प्रार्थनाओं की रचना महिलाओं ने भी की थी।

प्रश्न 4.
संस्कृत कौनसे भाषा - परिवार का हिस्सा है?
उत्तर:
संस्कृत भाषा भारोपीय (भासा - यूरोपीय) भाषा - परिवार का हिस्सा है।

प्रश्न 5.
भूज वृक्ष की छाल पर लिखी ऋग्वेद की पाण्डुलिपि कहाँ पाई गई?
उत्तर:
भूर्ज वृक्ष की छाल पर लिखी ऋग्वेद की पाण्डुलिपि कश्मीर में पाई गई।

प्रश्न 6.
ऋग्वेद में नदियों की तुलना किससे की गई है?
उत्तर:
ऋग्वेद में नदियों की तुलना घोड़ों और गायों से की गई है।

प्रश्न 7.
इतिहासकार और पुरातत्ववेत्ताओं में अतीत की जानकारी इकट्ठी करने के दृष्टिकोण से क्या भेद है?
उत्तर:
पुरातत्ववेत्ता अतीत की जानकारी एकत्रित करने हेतु भौतिक अवशेषों का उपयोग करते हैं जबकि इतिहासकार भौतिक अवशेषों के अलावा लिखित स्त्रोतों का भी उपयोग करते हैं।

प्रश्न 8.
ऋग्वेद में मुख्यतः कौनसे देवताओं की स्तुति की गई है?
उत्तर:
भावेद में मुख्यतः तीन देवताओं की स्तुति की गई है:

- अग्नि
- इन्द्र
- सोम।

प्रश्न 9.
लोगों का वर्गीकरण किन आधारों पर किया जाता रहा है।
उत्तर:
लोगों का वर्गीकरण काम, भाषा परिवार या समुदाय, निवास स्थान या सांस्कृतिक परम्परा के आधार पर किया जाता रहा है।

प्रश्न 10.
काम के आधार पर वर्गीकृत ऋग्वैदिक काल के दो समूहों के नाम बताइये।
उत्तर:

- पुरोहित अथवा ब्राह्मण
- राजा।

प्रश्न 11.
पुरोहितों का क्या कार्य था?
उत्तर:
पुरोहित तरह - तरह के यज्ञ और अनुष्ठान किया करते थे।

प्रश्न 12.
आर्य लोग दस्यु किसे कहते थे?
उत्तर:
आर्य लोग अपने विरोधियों को दस्यु या दास कहते थे।

प्रश्न 13.
महापाषाण क्या हैं?
उत्तर:
वे बड़े शिलाखण्ड जो कों को ढकने या चिहित करने हेतु बड़े करीने से लगाए जाते थे, महापाषाण कहलाते है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
महापाषाण करें बनाने की प्रथा कहाँ प्रचलित थी?
उत्तर:
महापाषाण करें बनाने की प्रथा दक्कन, दक्षिण भारत, उत्तर - पूर्वी भारत और कश्मीर में प्रचलित थी।

प्रश्न 15.
इनामगांव कहाँ स्थित था?
उत्तर:
इनामगांव भीमा की सहायक नदी घोड़ के किनारे स्थित था।

प्रश्न 16.
इनामगांव में कितने साल पहले लोग रहा करते थे?
उत्तर:
इनामगांव में 3600 से 2700 साल पहले लोग रहा करते थे।

प्रश्न 17.
चिकित्सा शास्त्र पर चरक द्वारा लिखित पुस्तक का नाम बताइये।
उत्तर:
चरक सहिता।

प्रश्न 18.
चरक के अनुसार मनुष्य के शरीर में कितनी हड्डियाँ होती।
उत्तर:
चरक के अनुसार मनुष्य के शरीर में 360 हड्डियाँ होती हैं।

प्रश्न 19.
इनामगांव के लोग किन किन फसलों को उगाते थे?
उत्तर:
इनामगांव के लोग गेहूँ, जौ, चावल, दाल, बाजरा, मटर और तिल आदि फसलें उगाते थे।

प्रश्न 20.
सूक्त का क्या आशय है?
उत्तर:
सूक्त का आशय है, अच्छी तरह से बोला गया।

प्रश्न 21.
ऋग्वेद में किन चीजों की प्राप्ति के लिए अनेक प्रार्थनाएँ की गई हैं?
उत्तर:
ऋग्वेद में मवेशियों, बच्चों (खासकर पुत्रों) और घोड़ की प्राप्ति के लिए अनेक प्रार्थनाएं की गई हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
वेद कितने हैं? नाम लिखिये।
उत्तर:
वेद चार हैं:

- ऋग्वेद
- सामवेद
- यजुर्वेद
- अथर्ववेद।

प्रश्न 2.
ऋग्वेद में वर्णित तीन महत्त्वपूर्ण देवताओं के बारे में बताइये।
उत्तर:
ऋग्वेद में वर्णित तीन महत्वपूर्ण देवता हैं:

- अग्नि
- इन्द्र और
- सोम। अग्नि आग के देवता हैं, इन्द्र युद्ध के देवता हैं और सोम एक पौधा है, जिससे एक खास पेय बनाया जाता है।

प्रश्न 3.
ऋग्वेद के वार्तालाप के रूप में दिये एक सूक्त का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
उत्तर:
ऋग्वेद के कुछ सूक्त वार्तालप के रूप में हैं। विश्वामित्र नामक ऋषि तथा देवियों के रूप में पूजित व्यास और सतलुज नदियों के बीच संवाद एक ऐसे सूक्त का अंश है। इस संवाद में ऋषि विश्वामिश दोनों नारियों की स्तुति करते हैं ताकि वे आसानी से सुरक्षित उस पार जा सकें।

प्रश्न 4.
ऋग्वेद की पाण्डुलिपि कहाँ पाई गई? इसके बारे में आप क्या जानते हैं?
उत्तर:
भूर्ज वृक्ष की छाल पर लिखी ऋग्वेद की पाण्डुलिपि कश्मीर में पाई गई थी। लगभग 150 वर्ष पहले ऋग्वेद को सबसे पहली बार छापने के लिए इसका उपयोग किया गया था। इसी पाण्डुलिपि को देखकर इसका अंग्रेजी अनुवाद तैयार हुआ। यह पाण्डुलिपि पुणे, महाराष्ट्र के एक पुस्तकालय में सुरक्षित है।

प्रश्न 5.
ऋग्वैदिक काल में की जाने वाली यज्ञ क्रिया के बारे में बताइये।
उत्तर:
ऋग्वैदिक काल में यज्ञ एक प्रमुख क्रिया थी। पुरोहितों द्वारा यज्ञ सम्पन्न किये जाते थे। युद्ध में जीते हुए धन में से भी कुछ धन यज्ञ करने के लिए प्रयुक्त होता था। यज.की आग में आहुति दी जाती थी। ये आहुतियाँ देवी-देवताओं को दी जाती थी। घी, अनाज और कभी - कभी जानवरों की भी आहुति दी जाती थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 6.
ऋग्वेद के समय के राजाओं के विषय में क्या अलग था? बताइये।
अथवा
ऋग्वेद के समय के राजाओं की प्रमुख विशेषताएँ बतलाइये।
उत्तर:
ऋग्वेद के राजाओं के विषय में निम्न बातें अलग यों:

- ये बड़ी - बड़ी राजधानियों और महलों में रहते थे।
- इनके पास कोई सेना नहीं होती थी।
- ये कर भी नहीं वसूलते थे।
- प्रायः राजा की मृत्यु के बाद उसका बेटा अपने आप ही शासक नहीं बन जाता था।

प्रश्न 7.
ऋग्वैदिक काल में जनता के लिए किन शब्दों का प्रयोग होता था? वर्णन कीजिए।
उत्तर:
ऋग्वैदिक काल में जनता या पूरे समुदाय के लिए दो शब्दों का इस्तेमाल होता था। एक था जन जिसका प्रयोग हिंदी व अन्य भाषाओं में आज भी होता है। दूसरा था विश् जिससे वैश्य शब्द निकला है। ऋग्वेद में विश् और जनों के नाम मिलते हैं। इसलिए हमें पुरू - जन या विश, भरत - जन या विश, यदु-जन या विश् जैसे कई उल्लेख मिलते हैं।

प्रश्न 8.
आर्य तथा दस्यु शब्द किनके लिए प्रयुक्त किये जाते थे? व्याख्या कीजिये।
उत्तर:
जिन लोगों ने वैदिक प्रार्थनाओं की रचना की वे कभी - कभी खुद को आर्य कहते थे तथा अपने विरोधियों को वे दास या दस्यु कहते थे। दस्यु वे लोग थे जो यह नहीं करते थे और शायद दुसरी भाषाएँ बोलते थे। बाद के समय में दास (स्वीलिंग: दासी) शब्द का मतलब गुलाम हो गया। दास चे स्त्री और पुरुष होते थे जिन्हें युद्ध में बंदी बनाया जाता था। उन्हें उनके मालिक की जायदाद माना जाता था। जो भी काम मालिक चाहते थे उनें वह सब करना पड़ता था।

प्रश्न 9.
महापाषाण किन - किन रूपों में प्राप्त हुए हैं?
उत्तर:
महापाषाण अनेक रूपों में प्राप्त हुए हैं:

- कुछ महापाषाण जमीन के ऊपर ही दिख जाते हैं।
- कुछ महापाषाण जमीन के भीतर भी होते हैं।
- कई बार पुरातत्वविदों को गोलाकार सजाए हुए पत्थर मिलते हैं।
- कई बार अकेला खड़ा हुआ पत्थर मिलता है। ये ही एकमात्र प्रमाण हैं जो जमीन के नीचे कओं को दर्शाते हैं।

प्रश्न 10.
महापाषाण कबों में क्या समानताएँ मिलती है?
उत्तर:

महापाषाण कब्रों में निम्न समानताएं मिलती हैं:

- सामान्यतः मृतकों को खास किस्म के मिट्टी के बर्तनों, के साथ दफनाया जाता था जिन्हें काले - लाल मिट्टी के बर्तनों (ब्लैक एण्ड रेड वेयर) के नाम से जाना जाता है।
- इनके साथ ही इनमें लोहे के औजार और हथियार, घोड़ों के कंकाल और सामान तथा पत्थर और सोने के गहने मिले हैं।

प्रश्न 11.
क्या कुछ कनगाहें खास परिवारों के लिए थीं? स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
जी हाँ, कुछ कनगाहें खास परिवारों के लिए थीं। कभी - कभी महापाषाणों में एक से अधिक कंकाल मिले हैं। उनमें शायद एक ही परिवार के लोगों को एक ही स्थान पर अलग - अलग समय पर दफनाया गया था। बाद में मरने वाले लोगों को पोर्ट - होल के रास्ते कत्रों में लाकर दफनाया जाता था। ऐसे स्थान पर गोलाकार लगाए गए पत्थर या चट्टान चिहों का काम करते थे, जहाँ लोग आवश्यकतानुसार शवों को दफनाने दुबारा आ सकते थे।

प्रश्न 12.
इनामगांव में लोगों को किस प्रकार दफनाया जाता था?
उत्तर:

- इनामगांव में वयस्क लोगों को प्राय: गड़े में सीधा लिटा कर दफनाया जाता था।
- उनका सिर उत्तर की ओर होता था।
- कई बार उन्हें घर के अंदर ही दफ़नाया जाता था।
- ऐसे बर्तन जिनमें शायद खाना और पानी हों, दफनाए गए शव के पास रख दिए जाते थे।

प्रश्न 13.
इनामगांव में एक विशिष्ट व्यक्ति की कब का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
इनामगांव में एक विशिष्ट व्यक्ति की कन मिली है:

- इसमें एक आदमी को पाँच कमरों वाले मकान के आँगन में, चार पैरों वाले मिट्टी के एक बड़े से संदूक में दफनाया गया था।
- बस्ती के बीच में बसा यह घर गाँव के सबसे बड़े घरों में एक था।
- इस घर में एक अनाज का गोदाम भी था।
- शव के पैर मुड़े हुए थे।

प्रश्न 14.
कंकाल किसी स्त्री का है या पुरुष का? यह किस प्रकार पता करते हैं?
उत्तर:
कंकाल का लिंग पहचानने का निम्न तरीका है:
1. कभी - कभी कंकाल के साथ मिले सामानों के आधार पर इसका अंदाजा लगाते हैं। जैसे, यदि कंकाल के साथ गहने मिलते हैं तो उसे महिला का कंकाल मान लिया जाता है। लेकिन इसमें यह समस्या है कि अक्सर पुरुष भी आभूषण पहनते थे।

https://www.evidyarthi.in/

2. कंकाल का लिंग पहचानने का आधुनिक अध्ययन पर आधारित तरीका उसकी हड्डियों की जांच है। कि महिलाएँ बच्चों को जन्म देती हैं इसलिए उनका कटि-प्रदेश या कूल्डा पुरुषों से ज्यादा बम होता है। इस आधार पर उसके स्वी अथवा पुरुष होने की जानकारी होती है।

प्रश्न 15.
ऋग्वेद के समय के चीन के राजाओं की क्या विशेषताएँ थी?
उत्तर:

- ऋग्वेद के समय के चीन के राजा शहरों में महल बनाकर रहते थे।
- उन्होंने अथाह दौलत इकट्ठा कर ली थी जिनमें बड़ेबड़े नक्काशी किए हुए कांसे के अर्तन शामिल थे।

- वे लोहे का इस्तेमाल करना नहीं जानते थे।
- वे भविष्यवक्ताओं से भविष्य की जानकारी कराते थे।